भारत का संविधान सिध्दांत और व्यवहार Notes Chapter 10 Class 11 Bharat Ka Samvidhan Sidhant Aur Vavhar संविधान का राजनीतिक दर्शन UP Board

राजनीति क्या है?

– राजनीति को परिभाषित करने के लिए विद्वानों के अलग–अलग मत है। सामान्य तौर पर–

(i) राजनीति शासन करने की कला और

(ii) राजनीति सरकार के क्रियाकलापों को ठीक से चलाने की सीख देती है।

(iii) राजनीति प्रशासन संचालन के विवादों का हल प्रस्तुत करती है।

(iv) राजनीति भागीदारी करना सिखाती है लेकिन आम व्यक्ति का सामना राजनीति की परस्पर विरोधी छवियों से होता हे, आज राजनीति का संबंध निजी स्वार्थ साधने से जुड़ गया है।

राजनीतिक सिद्धान्त में हम क्या पढ़ते है?

– राजनीतिक सिद्धान्त में हम जीवन के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करते है जैसे सामाजिक जीवन, सरकार और संविधान, स्वतंत्रता, समानता, न्याय, लोकतंत्र, धर्म निरपेक्ष आदि।

राजनीतिक सिद्धांतों को व्यवहार में उतारना–

– राजनीति का स्वरूप समय के साथ साथ बदलता रहा, राजनीतिक सिद्धांतों जैसे कि स्वतंत्रता और समानता को व्यवहार में उतारने का काम बहुत मुश्किल है। हमें अपने पूर्वाग्रहों का त्याग करे, इन्हें अपनाना चाहिए, राजनीतिक सिद्धांत के अध्ययन के द्वारा हम राजनीतिक व्यवस्थाओं के बारे में अपने विचारों तथा भावनाओं का परीक्षण कर सकते है, हम यह समझ सकते है कि सचेत नागरिक ही देश का विकास कर सकते है, राजनीतिक सिद्धांत कोई वस्तु नहीं है यह मनुष्य से संबधित है उदहारण के लिए समानता का अर्थ सभी के लिए समान अवसर है फिर भी महिलाओं, वृद्धों या विकलांगों के लिए अलग व्यवस्था की गई है अतः हम कह सकते है कि पूर्ण समानता संभव नहीं है, भेदभाव का तर्क संगत आधार जरूरी है।

https://www.evidyarthi.in

हमें राजनीतिक सिद्धांत क्यों पढ़ना चाहिए?

(i) भविष्य में आने वाली समस्याओं के समय एक उचित निर्णय लेने वाला नागरिक बनने के लिए।

(ii) एक अधिकार संपन्न एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए, राजनीतिक चेतना जागृत करने के लिए।

(iii) समाज से पूर्वाग्रहों को समाप्त करने एवं एकता कायम करने के लिए।

(iv) वाद–विवाद, तर्क–वितर्क, लाभ–हानि का आंकलन करने के बाद सही निर्णय लेने की कला सीखने के लिए हमें राजनीतिक सिद्धांत पढ़ना चाहिए।

(v) शासन व्यवस्था की जानकारी के लिए।

(vi) लोकतंत्र की उपयोगिता का ज्ञान।

(vii) अधिकार एंव कर्त्तव्यों को समझने के लिए ।

(viii) अंतर्राष्ट्रीय शांति व सहयोग को बढ़ावा देने के लिए।

राजनीतिक सिद्धांत का मुख्य विषय राज्य व सरकार है। यह स्वतंत्रता, समानता, न्याय व लोकतंत्र जैसी अवधारणाओं का अर्थ स्पष्ट करता है। राजनीतिक सिद्धांत का उद्देश्य–नागरिकों को राजनीतिक प्रश्नों के बारे में तर्क संगत ढंग से सोचने और सामाजिक राजनीतिक घटनाओं को सही तरीकें से आंकने का प्रशिक्षण देना है। गणित के विपरीत जहां त्रिभुज या वर्ग की निश्चित परिभाषा होती है– राजनीतिक सिद्धांत में हम 'समानता', 'आजादी' या न्याय की अनेक परिभाषाओं से रूबरू होते है।

ऐसा इसलिए है कि समानता, न्याय जैसे शब्दों का सरोकार किसी वस्तु के बजाय अन्य मनुष्यों के साथ हमारे संबंधों से होता है। राजनीतिक सिद्धांत हमें राजनीतिक चीजों के बारे में अपने विचार व व्यवहार से भावनाओं के परीक्षण के लिए प्रोत्साहित करता है।

राजनीति विज्ञान व राजनीति दो अलग–अलग धारणाएं है। राजनीति विज्ञान का जन्म राजनीति से पूर्व हुआ है, यह नैतिकता पर आधारित है जबकि राजनीति अवसर व सुविधा पर आधारित है।

https://www.evidyarthi.in

प्रश्नावली

एक अंकीय प्रश्नः—

1. राजनीतिक सिद्धांत क्या है? समझाइए।
2. गांधी जी की पुस्तक 'हिन्द—स्वराज' में किस विषय पर प्रकाश डाला गया है?
3. राजनीति के विषय में आम लोगों की विचारधारा क्या है?
4. राजनीतिक विज्ञान व राजनीति में कोई एक अन्तर लिखें?
5. हमें राजनीतिक सिद्धान्त क्यों पढ़ना चाहिए?

दो अंकीय प्रश्नः—

1. 'राजनीति' का अर्थ स्पष्ट करें।
2. राजनीतिक सिद्धांत के किन्हीं दो क्षेत्रों को समझाइए। वर्णन कीजिए।
3. किन्हीं चार राजनैतिक विद्वानों के नाम लिखिए।

चार अंकीय प्रश्नः—

1. 'राजनीति विज्ञान, विज्ञान है भी और नहीं भी।' इस तथ्य को स्पष्ट कीजिए।
2. किसी देश में लोकतंत्रिक सरकार के सफल संचालन के लिए राजनीतिक सिद्धांत आवश्यक है। कैसे?
3. 'राजनीति मनुष्य के दैनिक जीवन को कदम—कदम पर प्रभावित करती है। स्पष्ट कीजिए।

पांच अंकीय प्रश्नः—

दिए गए कार्टून में कार्टूनिस्ट राजनीति के किस स्वरूप को दर्शाना चाहता है? कोई पाँच प्वॉइन्ट लिखें।

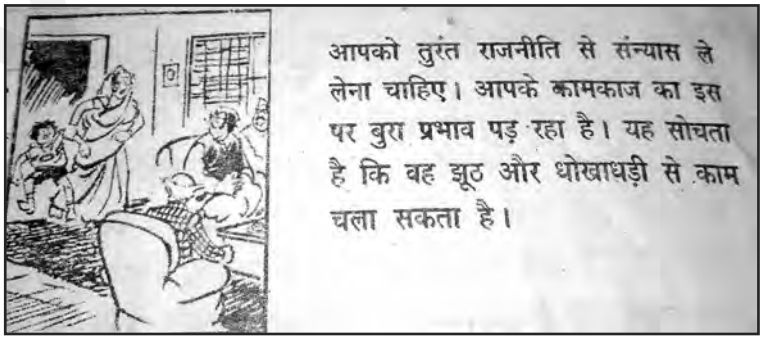

https://www.evidyarthi.in

छः अंकीय प्रश्नः–

1. राजनीतिक सिद्धान्त में हम क्या–क्या पढ़ते है? लिखिए।
2. राजनीतिक सिद्धान्त की विशेषताएं लिखिए।
3. हमें राजनीतिक सिद्धांत क्यों पढ़ना चाहिए? सविस्तार समझाइए।
4. 'राजनीतिक सिद्धांत समानता व स्वतंत्रता से संबंधित प्रश्नों को हल करने में बहुत प्रासंगिक है।'' कैसे? तर्क सहित सिद्ध कीजिए।

https://www.evidyarthi.in

उत्तरमाला

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. राजनीतिक सिद्धांत उन विचारों और नीतियों के व्यवस्थित रूप को प्रतिबिंबित करता है जिनसे हमारे सामाजिक जीवन, सरकार और संविधान ने आकार ग्रहण किया है।
2. स्वराज के अर्थ की विवेचना पर।
3. आम लोग राजनीति को अच्छा नहीं मानते।
4. राजनीतिक विज्ञान निश्चित आदर्शों पर आधारित है जबकि राजनीति स्वार्थ व अवसरवादिता पर आधारित है।
5. इससे राजनीतिक नियमों/सिद्धांतों, समानता, स्वतंत्रता तथा लोकतंत्र का ज्ञान होता है। जो लोकतंत्र के लिये आवश्यक है।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. राजनीति शब्द की उत्पति ग्रीक शब्द पोलिस से हुई है, जिस का शब्दिक अर्थ नगर राज्य होता है।
2. (i) राज्य और सरकार का अध्ययन।
   (ii) शक्ति और राजनीतिक विचारधराओं का अध्ययन।
3. अरस्तु, प्लेटो, रूसों, कौटिल्य, कार्ल मार्क्स, एवं डॉ. अम्बेडकर।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. **राजनीतिक विज्ञान, विज्ञान है**– जो विद्वान राजनीति विज्ञान को विज्ञान मानते हैं उनका तर्क है कि विज्ञान एक क्रमबद्ध ज्ञान होता है और राजनीति विज्ञान का अध्ययन भी क्रमबद्ध तरीके से किया जाता है। इसमें प्रयोग संभव है। इसमें भविष्यवाणी करने की क्षमता है तथा इतिहास एवं समस्त विश्व इसकी प्रयोगशाला के रूप में प्रयुक्त किए जा सकते हैं।

   राजनीति विज्ञान, विज्ञान नहीं है– जो लोग इसे विज्ञान नहीं मानते उनका कहना है कि राजनीति विज्ञान के सिद्धान्त स्पष्ट नहीं हैं। राजनीति में समान कारण होते हुए भी राजनीति विज्ञान में परिणाम एक जैसे नहीं निकलते। इसमें प्रयोग करना भी संभव नहीं है। इसकी कोई वास्तविक प्रयोगशाला भी नहीं होती। इसके अध्ययन में वैज्ञानिक विधि को अपनाया जाना सम्भव नहीं।

https://www.evidyarthi.in

2. राजनीति सिद्धान्त उन विचारों पर चर्चा करते हैं जिनके आधार पर राजनीतिक संस्थाएँ बनती हैं। राजनीति सिद्धान्त विभिन्न धर्मों के अंतर्सबंधों की व्याख्या करते हैं।

ये समानता और स्वतंत्रता जैसी अवधारणाओं के अर्थ की व्याख्या करते हैं।

3. दैनिक जीवन में व्यक्ति कदम–कदम पर स्वतंत्रता एवं समानता के लिए संघर्ष करता नजर आता है। उदाहरण कही पानी के लिए सार्वजनिक नल पर पानी भरना हो चाहे समान रूप से मंदिर में प्रवेश को लेकर हो

पांच अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. कार्टून को ध्यान पूर्वक देखं एवं स्वयं आंकलन करें

(कार्टून राजनेताओं के झूठ व धोखाधड़ी को प्रदर्शित करता है।)

स्व–विवेक से अथवा अध्यापक की सहायता से उत्तर लिखें।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. राजनैतिक सिद्धान्त में हम–समाज में आए परिवर्तनों, आन्दोलनों, विकास तथा विभिन्न प्रकार की शासन व्यवस्थाओं का अध्ययन करते है तथा अन्य कारण।

2. स्वतंत्रता, समानता पूर्वाग्रहों का त्याग करना, देश का विकास, व्यक्ति का सर्वांगीण विकास के मार्ग निर्देशन देना आदि। अन्य कारण।

3. (i) जागरूक बनाने के लिए।
   (ii) भविष्य की समस्याओं के सफल समाधान कर्ता तैयार करने के लिए।
   (iii) समाज में एकता कायम करने के लिए।
   (iv) तर्क संगत निर्णय लेने के लिए तैयार करना, आदि।

4. राजनैतिक सिद्धान्त स्वतंत्रता व समानता से संबंधित प्रश्नों के सरल एवं सहज उत्तर प्रस्तुत करता है। यह सम्पूर्ण मानव समाज के विकास एव सभ्यता के उदाहरण प्रस्तुत करतो हुए सभ्य मानव बनने का मार्ग सुझाता है तथा गलत रास्ते पर जाने के परिणामों से अवगत करता है।

यह स्वतंत्रता एवं समानता को अपनाने वाले राष्ट्रों की समृद्धि एवं सफलता की कहानी के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व से गुलामी एवं असफलता को समाप्त करने का रास्ता दिखाता है।

https://www.evidyarthi.in